जिंदगी का सफर - हाइकु

Hindi Word	English Meaning	Malayalam Meaning
जिंदगी	Life	ജീവിതം
सफर	Journey	യാത്ര
सूखा	Drought	വരൾച്ച
बाढ़	Flood	വെള്ളപ്പൊക്കം
प्रलय	Catastrophe	പ്രളയം
साहब	Master/Sir	യജമാനൻ
आँगन	Courtyard	മുറ്റം
सदा	Always	എപ്പോഴും
फुहार	Drizzle/Fine spray	ചാറ്റൽമഴ
पिता	Father	അച്ഛൻ
ढूँढ़ना	To search/find	തിരയുക
लाठियाँ	Sticks	വടികൾ
बुढ़ापा	Old age	വാർദ്ധക്യം
आश्रय	Shelter/Support	അഭയം
दीखना	To be seen/visible	കാണപ്പെടുക
बर्फीली	Icy/Snowy	മഞ്ഞുമൂടിയ
नगरी	City/Town	നഗരം
नेह	Love/Affection +1	സ്നേഹം

Hindi Word	English Meaning	Malayalam Meaning
आँच	Heat/Warmth	ചൂട്
हालत	Condition	അവസ്ഥ
इशारा	Hint/Gesture	അടയാളം
पंक्तियाँ	Lines	വരികൾ
आशय	Meaning/Intent	അർത്ഥം
तात्पर्य	Significance	ഉദ്ദേശ്യം
गतिविधियाँ	Activities	പ്രവർത്തനങ്ങൾ
चुनौतियाँ	Challenges	വെല്ലുവിളികൾ
विषय	Subject/Topic	വിഷയം
टिप्पणी	Comment/Note	കുറിപ്പ്
लिखें	Write	എഴുതുക
संकलित	Compiled	സമാഹരിച്ചത്
मदद	Help	സഹായം
जन्म	Birth	ജനനം
यादें	Memories	ഓർമ്മകൾ
पंछी	Bird	പക്ഷി
भाव	Emotion/Feeling	വികാരം
प्रसिद्ध	Famous	പ്രശസ്തമായ
संग्रह	Collection	ശേഖരം

1. <u>हाइकु - डॉ. सुरंगमा यादव</u>

सुखा या बाढ़
साहब के आंगन
सदा फुहार

ജീവിതയാത്രയിൽ വരൾച്ചയോ പ്രളയമോ ആകട്ടെ യജമാനന്റെ മുറ്റത്ത് എപ്പോഴും ചാറ്റൽമഴ.

<u>आशय पर टिप्पणी</u>:

<u>हाइकु - डॉ. सुरंगमा यादव</u>

हाइकु एक जापानी कविता का रूप है, जिसमें 17 अक्षर होते हैं, जो 5-7-5 के क्रम में विभाजित होते हैं। यह कविता, "सूखा या बाढ़ साहब के आंगन सदा फुहार" डॉ. सुरंगमा यादव की एक सुन्दर हाइकु है | यह एक सामाजिक टिप्पणी है, जो समाज में असमानता और शक्ति के संबंधों को उजागर करती है। यहाँ 'सूखा' और 'बाढ़' से तात्पर्य समाज में प्राकृतिक आपदाएं, गरीबी, अभाव और पीड़ा से है। इसी प्रकार, "फुहार" शब्द बहुतायत को सूचित करता है। यह हाइकु, समाज में शक्ति, विशेषाधिकार, और प्राकृतिक आपदाओं के असमान प्रभाव को दर्शाता है। यह एक शक्तिशाली संदेश है कि कैसे अमीर लोग, गरीबों की पीड़ा से अप्रभावित रहते हैं |

2. <u>हाइकु : डॉ. गोपाल बाबू शर्मा</u>

पिता ने ढूंढ़ी
लटियाँ बुढ़ापे की
दिखती नहीं

അച്ഛൻ തിരഞ്ഞു വാർദ്ധക്യത്തിലെ ഊന്നുവടികൾ അവയെ കാണാനില്ല.

<u>आशय पर टिप्पणी</u>:

<u>हाइकु : डॉ. गोपाल बाबू शर्मा</u>

हाइकु एक जापानी कविता का रूप है, जिसमें 17 अक्षर होते हैं, जो 5-7-5 के क्रम में विभाजित होते हैं। " पिता ने ढूंढ़ी लटियाँ बुढ़ापे की दिखती नहीं "डॉ गोपाल बाबू शर्मा की एक सुंदर हाइकु है | यह एक सामाजिक

टिप्पणी है, जो समाज में माता-पिता की निराशा और अकेलेपन को दर्शाता है, जो अपने बच्चों पर निर्भर होते हैं। यह मुहावरा एक पिता और पुत्रों के रिश्ते पर प्रकाश डालता है, जहां पिता अपने बच्चों को बुढ़ापे का सहारा मानते हैं। "लाठी" यहाँ एक रूपक है, जो सहारे या मदद का प्रतीक है। "बुढ़ापे की दिखती नहीं" का अर्थ है कि जिस सहारे की उम्मीद थी, वह सहारा या मदद उपलब्ध नहीं है। यहाँ कवी कहते है कि "पिता ने बुढ़ापे का सहारा ढूंढा, लेकिन वह सहारा (लाठी) बुढ़ापे में उसको नहीं मिलता है।" इसका मतलब है कि पिता ने अपने बच्चे को बुढ़ापे का सहारा माना था, लेकिन वे उनकी देखभाल नहीं कर रहे हैं। यह माता-पिता की निराशा और अकेलेपन को दर्शाता है, जो अपने बच्चों पर निर्भर होते हैं।

3. <u>हाइकु - कमला निखुर्पा</u>

ढूंढती रही
बर्फीली नगरी में
नेह की आँच

ആ മഞ്ഞുമൂടിയ നഗരത്തിൽ ഞാൻ തിരഞ്ഞുകൊണ്ടേയിരുന്നു സ്നേഹത്തിന്റെ ഊഷ്മളത.

आशय पर टिप्पणी :

<u>हाइकु - कमला निखुर्पा</u>

हाइकु एक जापानी कविता का रूप है, जिसमें 17 अक्षर होते हैं, जो 5-7-5 के क्रम में विभाजित होते हैं। 'ढूंढती रही बर्फीली नगरी में नेह की आँच' श्रीमति कमला नीखुर्पा की एक सुंदर हाइकु है | यह एक सामाजिक टिप्पणी है, जो समाज में एक-दूसरे के प्रति खत्म होते जा रहे प्रेम की याद दिलाता है। यहाँ कवियत्री कहती है कि वे बर्फीली नगरी में स्नेह की गर्मी ढूंढती है | कवि यहाँ कहने की कोशिश करता है कि सभी व्यक्ति के मन प्यार चाहता है| लेकिन किसी को अपनी इच्छा की तरह प्यार नहीं मिलता है |